इतिहास कक्षा 10वीं

अध्याय - 5

औद्योगीकरण का युग

याद रखने की बातें :-

1. प्राच्य - यह शब्द उन देशों के लिए प्रयोग किया जाता है जो यूरोप के पूर्व में स्थित है।
2. पूँजी - यह मुद्रा की बड़ी मात्रा है जिसका निवेश किया जाता है या व्यापार या उद्योग में इस्तेमाल किया जाता है।
3. समाजवादी - जिसमें देश के प्रत्येक व्यक्ति का समान हिस्सा होता है तथा मुख्य उद्योगों पर स्वामित्व और नियंत्रण सरकार का होता है।
4. स्पिनिंग जैनी - एक सूत कातने की मशीन। जो जेम्स हरग्रीब्ज द्वारा 1764 में बनाई गई थी।
5. स्टेपल - एक व्यक्ति जो रेशों के हिसाब से ऊन को स्टेपल करता है या उसे छांटता है।
6. फुलर्ज - चुन्नटों के सहारे कपड़े को समेटता है।
7. कार्डिग - वह प्रक्रिया जिससे कपास या ऊन आदि के रेशों को कताई के लिए तैयार किया जाता है।
8. फलाई शटल - रस्सियों और पुलियों के जरिए चलने वाला एक यांत्रिक औजार है जिसका बुनाई के लिए इस्तेमाल किया जाता है।
9. भारत में सबसे पहली जूट मिल कलकत्ता में लगी।
10. भाप के इंजन का आविष्कार जेम्सवाट ने किया।
11. भारत में पहली कपड़ा मिल 1854 में लगी।
12. भारत में सबसे पहले आने वाले यूरोपीय पुर्तगाली थे।

13. **नए आविष्कार** **आविष्कारक**

(1)	फलाई शटल	(1)	जॉन के
(2)	भाप इंजन	(2)	न्यूकॉमेन और जेम्स वाट
(3)	स्पिनिंग जेनी	(3)	जेम्स हारग्रीव

1 अंक वाले प्रश्न :-

1. 19वीं सदी में किस देश में उद्योगपतियों द्वारा मशीनों का प्रयोग किया जाता था ?
2. कौन से दशक में इग्लैण्ड में कारखाने खुले ?
3. गुमाश्ता कौन थे जिनको भारत में ईस्ट इंडिया कम्पनी ने तैनात किया था ?
4. नए उपभोक्ता तैयार करने के लिए कौन सा तरीका है ?
5. औद्योगीकरण के सबसे पहले चरण में इंग्लैंड के मुख्य उद्योग कौन से थे ?
6. स्पिनिंग जैनी ने किस प्रक्रिया में वृद्धि की ?
7. यूरोपीय प्रबन्धक एजेन्सियों की भारत में किस प्रकार के उद्योगों में रूचि थी ?
8. संसार में वस्तुओं की माँग में वृद्धि के दो कारण बताओ ?
9. शहरी उत्पादक उत्पादन को कैसे नियंत्रित करते थे ?
10. उद्योगपति मशीन का प्रयोग क्यों नहीं करना चाहते थे ?
11. ब्रिटेन के दो सबसे अधिक महत्वपूर्ण उद्योगों के नाम लिखें।

3/5 अंक वाले प्रश्न :-

1. मैनचेस्टर के आगमन से भारतीय बुनकरों के सामने क्या समस्या थी ?
2. प्रथम विश्व युद्ध के समय भारत के औद्योगिक उत्पादन बढ़ने के क्या कारण थे ?
3. 1930 की महामन्दी के कारण लिखो ?
4. नए सौदागरों का शहरों में व्यापार स्थापित करना कठिन क्यों था ?

5. नए उद्योगपति परंपरागत उद्योगों की जगह क्यों नहीं ले सके ?

6. भारतीय सौदागरों के नियंत्रण वाला नेटवर्क क्यों टूटने लगा था ?

7. ईस्ट इंडिया कम्पनी ने भारत में बुनकरों पर निगरानी रखने के लिए गुमाश्तों को नियुक्त क्यों किया था ?

8. जॉबर कौन थे ? नई कारखाना प्रणाली में उनकी क्या स्थिति थी ?

9. ब्रिटिश निर्माताओं ने विज्ञापनों की मदद से भारतीय व्यापार पर किस प्रकार कब्जा किया ?

10. बाजार से श्रम की बहुतायत से श्रमिकों का जीवन कैसे प्रभावित हुआ ?

11. 19वीं शताब्दी में यूरोप के उद्योगपति मशीनों की अपेक्षा हाथ के श्रम को अधिक पसंद क्यों करते थे ?

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :-

उ01. अमेरिका

2. 1730 के दशक में।

3. बुनकरों के ऊपर सुपरवाइजर

4. विज्ञापनों द्वारा

5. कपास और धातु उद्योग।

6. कताई

7. चाय और कॉफी के रोपण में।

8. (1) विश्व व्यापार का विस्तार

   (2) विश्व में उपनिवेशवाद की स्थापना।

9. सौदागर किसानों को ऋण देते थे।

10. सस्ते मानव श्रम का उपलब्ध होना।

11. सूती उद्योग, स्टील उद्योग।

3/5 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :-

1. (1) भारत के कपड़ा निर्यात में कमी
   (2) ईस्ट इंडिया कंपनी पर कपड़ा बेचने का दबाव।
   (3) कम लागत
   (4) स्थानीय बाजार सिकुड़ने लगे।
   (5) अच्छी कपास न मिलना।

2. (1) अंग्रेजों की युद्ध सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नई फैक्ट्रियाँ स्थापित की गईं।
   (2) वर्दी के कपड़े, टैंट और चमड़े के जूते आदि सामान बनाने के लिए।
   (3) नए मजदूर काम पर लगा दिए गए और काम करने का समय बढ़ा दिया गया।

3. (1) प्रथम विश्व युद्ध के बाद निर्यात घटा।
   (2) अमेरिकी पूंजीपतियों द्वारा यूरोपीय देशों के लिए कर्जे बन्द।
   (3) कृषि में अति उत्पादन।
   (4) उद्योगों में मशीनीकरण।

4. (1) शहरों में उत्पादकों के संगठन और गिल्ड काफी शक्तिशाली थे।
   (2) कारीगरों को प्रशिक्षण देते थे।
   (3) उत्पादकों पर नियंत्रण रखते थे।
   (4) नए लोगों को अपने व्यवसाय में आने से रोकते थे।

5. (1) औद्योगिक क्षेत्र में काम करने वाले मजदूरों की संख्या कम थी।
   (2) प्रौद्योगिकीय बदलाव की गति धीमी थी।
   (3) कपड़ा उद्योग एक गतिशील उद्योग था।
   (4) प्रौद्योगिकी काफी महँगी थी।

(5) उत्पादन का एक बड़ा भाग कारखानों की बजाय गृह उद्योग से पूरा होता था।

6. (1) यूरोपीय कम्पनियों ने धीरे-धीरे स्थानीय अदालतों से विभिन्न प्रकार की रियायतें प्राप्त करके व्यापार पर अधिकार प्राप्त कर लिया था।

(2) बाद में व्यापार पर एकाधिकार प्राप्त कर लिया।

(3) सूरत और हुगली के बंदरगाहों पर व्यापार घटने लगा।

7. (1) वे बुनकरों को कर्ज देते थे।

(2) ताकि वे किसी और व्यापारी को अपना माल तैयार करके न दे सके।

(3) वे खुद कपड़ों की गुणवत्ता की जाँच करते थे।

8. (1) उद्योगपतियों ने मजदूरों की भर्ती के लिए जॉबर रखा था।

(2) जॉबर कोई पुराना विश्वस्त कर्मचारी होता था।

(3) वह गाँव से लोगों को लाता था।

(4) काम का भरोसा देता तथा शहर में बसने के लिए मदद देता।

(5) जॉबर मदद के बदले पैसे व तोहफों की मांग करने लगा।

9. (1) उत्पादों को बेचने के लिए कैलेण्डर अखबारों व मैग्जीन का प्रयोग।

(2) लेबलों पर भारतीय देवी देवताओं की तस्वीर लगी होती थी।

(3) विदेश में बनी चीज भी भारतीयों को जानी पहचानी लगती थी।

10. (1) शहर में नौकरी की संभावनाओं की खबर सुनते ही श्रमिक शहरों की तरफ दौड़ पड़े।

(2) जिनके सगे-सम्बन्धी शहरों में पहले से ही कार्यरत थे उनके जरिए नए लोगों को नौकरी मिल सकती थी।

(3) जिनका शहरों में कोई नहीं था वे हफ्तों भर प्रतीक्षा करते थे तथा पुलों के नीचे या रैन बसेरों में रात गुजारते थे।

11. (1) ब्रिटेन में उद्योगपतियों को मानव श्रम की कोई कमी नहीं थी।

(2) वे मशीन इसलिए लगाना नहीं चाहते थे क्योंकि मशीनों के लिए अधिक पूँजी निवेश करनी पड़ती थी।

(3) कुछ मौसमी उद्योगों के लिए वे उद्योगों में श्रमिकों द्वारा हाथ से काम करवाना अच्छा समझते थे।

(4) बाजार में अक्सर बारीक डिजाइन और खास आकारों वाली चीजों की माँग रहती थी जो हस्त कौशल पर निर्भर थी।